मिलकर करें मिलान

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे स्तंभ 1 में दी गई हैं, उनके भावार्थ स्तंभ 2 में दिए गए हैं। स्तभ 1 की पंक्तियों का स्तंभ 2 की उपयुक्त पंक्तियों से मिलान कीजिए-

	स्तंभ 1		स्तंभ 2
1.	पानी बरस रहा है, झरने भी ये बहे हैं	1.	वर्षा ऋतु में तालाबों के जीव-जंतु अति प्रसन्न हैं।
2.	चलती हवा है ठंडी, हिलती हैं डालियाँ सब	2.	वर्षा हो रही है और झरने बह रहे हैं।
3.	तालों में जीव जलचर, अति हैं प्रसन्न होते	3.	वर्षा आने पर लाखों पपीहे गर्मी से राहत पाते हैं।
4.	फिरते लखो पपीहे, हैं ग्रीष्म ताप खोते	4.	हंसों की कतारें प्रकृति की सुंदरता और अनुशासन को दर्शाती हैं।
5.	खिलता गुलाब कैसा, सौरभ उड़ा रहा है	5.	वर्षा में खिले हुए फूल जैसे गुलाब प्रकृति में सुगंध और ताजगी फैला रहे हैं।
6.	चलते हैं हंस कहीं पर, बाँधे कतार सुंदर	6.	ठंडी हवाओं के कारण पेड़ों की सभी शाखाएँ हिल रही हैं।